Date - 25/7/2025, Rajasthan Patrika, Pg No. 2

Surat

सूरत मेट्रो : कॉरिडोर-1 के अंडरग्राउंड स्टेशनों का आईजीबीसी में पंजीकरण, प्लेटिनम रेटिंग का लक्ष्य

छह इको-फ्रेंडली स्टेशनों के साथ पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

सरथाणा से ड्रीम सिटी तक के कॉरिडोर-1 के 6.47 किमी लंबे अंडर ग्राउंड रूट के होंगे स्टेशन

सूरत@पत्रिका. सूरत का महत्वाकांक्षी मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक बनने जा रहा है। सरथाणा से ड्रीम सिटी तक के कॉरिडोर-1 के 6.47 किलोमीटर अंडरग्राउंड हिस्से में बनने वाले छह स्टेशनों को इको-फ्रेंडली डिजाइन के साथ विकसित किया जाएगा। इन स्टेशनों का इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) में पंजीकरण हो चुका है। प्रोजेक्ट का 70-75% कार्य पूरा हो चुका है, और साल के अंत तक अलथान से ड्रीम सिटी के बीच मेट्रो ट्रेन शुरू करने की तैयारी है।

दो रूटों पर तेजी से कार्य : गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा सूरत में दो रूटों सरथाणा से ड्रीम सिटी और सारोली से भेंसाण पर काम चल रहा है। 40 किलोमीटर से अधिक लंबे इन रूटों में सरथाणा-ड्रीम सिटी रूट का हिस्सा अंडरग्राउंड और बाकी एलिवेटेड है, जबकि सारोली-भेंसाण रूट पूरी तरह एलिवेटेड है और तापी नदी को पार करता है।

सूरती संस्कृति और पर्यावरण का संगम

कापोद्रा, लाभेश्वर चौक, सेंट्रल वेयरहाउस, सूरत स्टेशन, मस्कती हॉस्पिटल और चौकबाजार स्टेशनों को सूरत की सांस्कृतिक धरोहर, व्यापार-उद्योग और पर्यावरण संरक्षण के थीम पर डिजाइन किया जाएगा। इनमें सेंसर-आधारित लाइटिंग, फाइव-स्टार रेटेड उपकरण, सोलर पैनल, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और हरियाली को बढ़ावा दिया जाएगा। प्लेटफॉर्म पर फूलों के पौधे लगाए जाएंगे, ताकि यात्रियों को प्रकृति का अहसास हो। प्लास्टिक बोतल जैसे कचरे के निपटान के लिए विशेष व्यवस्था होगी, जो स्टेशनों को स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल बनाएगी।

कड़े पर्यावरणीय मानक

ये स्टेशन आईजीबीसी के कठिन मानकों पर बनाए जाएंगे, जिसमें ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान होगा। निर्माण के बाद आईजीबीसी की टीम निरीक्षण करेगी और 81-100 अंकों पर प्लेटिनम या 61-80 अंकों पर गोल्ड रेटिंग देगी। प्रोजेक्ट का लक्ष्य प्लेटिनम रेटिंग हासिल करना है, जो पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्टता का प्रतीक है। यह सूरत मेट्रो को देश के सबसे पर्यावरण-अनुकूल मेट्रो प्रोजेक्ट्स में से एक बनाएगा।